

Seat No. : \_\_\_\_\_

# AO-105(H)

April-2022

B.A., Sem.-IV

CC-211 : Sociology  
(Sociology of Family)

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 50

(Hindi Version)

सूचना : दायीं ओर की संख्या अंक दर्शाती है।

## विभाग – A

निम्नलिखित 8 (आठ) प्रश्नों में से किन्हीं 3 (तीन) प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

14 × 3 = 42

1. भारत में कुटुंब के समाजशास्त्र का महत्त्व समझाइए।
2. कुटुंब के समाजशास्त्र का उद्भव समझाइए।
3. कुटुंब की उत्पत्ति के सिद्धांत समझाइए।
4. भारतीय कुटुंब में परिवर्तन लाने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।
5. कुटुंब की संरचना के पहलुओं की चर्चा कीजिए।
6. दहेज प्रथा के भारतीय समाज पर हुए प्रभावों को समझाइए।
7. घरेलू हिंसा क्या है ? भारत में घरेलू हिंसा के स्वरूपों को समझाइए।
8. संयुक्त कुटुंब, विभक्त कुटुंब और सिंगल पेरेंट फेमिली की अवधारणा समझाइए।

## विभाग – B

9. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : (कोई चार)

4 × 2 = 8

(1) कुटुंब का समाजशास्त्र \_\_\_\_\_ विज्ञान है। (सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक)

- (2) छोटा परिवार \_\_\_\_\_ परिवार के रूप में पहचाना जाता है। (सुखी, दुखी, जाति)
  - (3) “हिंदू सामाजिक संगठन” अध्ययन ग्रंथ \_\_\_\_\_ का है। (पी.एच.प्रभु, देसाई, वेबर)
  - (4) मैरेज एंड फेमिली इन इंडिया अध्ययन \_\_\_\_\_ ने किया। (श्रीनिवास, देसाई, के.एम.कापडिया)
  - (5) कुटुंब का समाजशास्त्र \_\_\_\_\_ विज्ञान की शाखा है। (अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, धर्म)
  - (6) वेस्टर मार्क ने \_\_\_\_\_ का सिद्धांत दिया। (एक साथी, जाति, लिंग)
  - (7) \_\_\_\_\_ ने उद्द्विकास का सिद्धांत दिया। (मोर्गन, डार्विन, वेबर)
  - (8) \_\_\_\_\_ ने संयुक्त कुटुंब की परिभाषा दी। (इरावती कर्वे, ताराबेन पटेल, देसाई)
-